Dr. Shyama Prasad Mukherjee University

DEPT. OF COMMERCE

M.COM SEM – 2

PAPER: BUSINESS ENVIRONMENT

TOPIC: UNIT-1 – Part -3

By: Harsha

Importance of Study of Business Environment/व्यावसायिक पर्यावरण के अध्ययन का महत्व:

1. Safeguard Against Increasing Competition

In the present Era, every businessman has to compete with the products, techniques, costs, markets, distribution chains, production, and sales methods of its competitors. However, if the businessman has perfect knowledge about the internal and external environment and takes the decisions, in accordance with situations, he may be safe from the competition and may also develop the ability to compete. Besides, he may also adopt counter-strategies to take out strong measures against the competitors.

बढ़ती प्रतिस्पर्धा से बचाव

वर्तमान युग में, प्रत्येक व्यवसायी को अपने प्रतिस्पर्धियों के उत्पादों, तकनीकों, लागतों, बाजारों, वितरण श्रृंखलाओं , उत्पादन और बिक्री विधियों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है । हालाँकि , यदि व्यवसायी को आंतरिक और बाहरी वातावरण के बारे में सही जानकारी है और वह परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेता है, तो वह प्रतिस्पर्धा से सुरक्षित हो सकता है और प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता भी विकसित कर सकता है। इसके अलावा , वह प्रतिस्पर्धियों के खिलाफ कड़े कदम उठाने के लिए जवाबी रणनीति भी अपना सकता है।

2. Successful Operation of the Business:

The Rise or fall in the efficiency, physiological capacities, and skills of the Businessman or workers or the employees are related with the internal environment. If the environment of the business institution is good, the efficiency and skills of all will be high. Otherwise, the workers will, of course, earn their wages by spending time. But the Businessman will not be able to earn profits. Hence, it is essential to study the business environment for the successful operation and prosperity of the business.

व्यवसाय का सफल संचालन:

व्यवसायी या श्रमिकों या कर्मचारियों की दक्षता, शारीरिक क्षमता और कौशल में वृद्धि या गिरावट आंतरिक वातावरण से संबंधित है। व्यवसायिक संस्था का वातावरण अच्छा होगा तो सभी की कार्यकुशलता एवं कौशल उच्च होगा। अन्यथा , श्रमिक निश्चित रूप से समय व्यतीत करके अपनी मजदूरी अर्जित करेंगे। लेकिन, व्यवसायी मुनाफा नहीं कमा पाएगा। इसलिए , व्यवसाय के सफल संचालन और समृद्धि के लिए कारोबारी माहौल का अध्ययन करना आवश्यक है।

3. Formulation of Action Plans of Business:

Action plans of business may be easily formulated perceiving the knowledgeable business environment. An effective assessment of changing circumstances is done to give practical shape to plans. While preparing action plans, information related to the factors of the environment are to be kept in consideration. Besides, knowledge about technical progress, new social values, community problems, investment framework, and different political Outlooks are worthwhile.

व्यवसाय की कार्य योजनाओं का निर्माण:

जानकार कारोबारी माहौल को देखते हुए व्यवसाय की कार्य योजना आसानी से तैयार की जा सकती है । योजनाओं को व्यावहारिक आकार देने के लिए बदलती परिस्थितियों का प्रभावी आकलन किया जाता है। कार्य योजना तैयार करते समय पर्यावरण के कारकों से संबंधित जानकारी को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इसके अलावा , तकनीकी प्रगति, नए सामाजिक मूल्यों, सामुदायिक समस्याओं, निवेश ढांचे और विभिन्न राजनीतिक दृष्टिकोणों के बारे में ज्ञान सार्थक है।

4. Sound and Effective Decisions:

Sound and effective decisions are those which are in accordance with the Expectations and needs of the environment. Various types of decisions are required to be taken within the business activities, regarding purchase and Sales, Production and Manufacturing of goods and services, personnel, finance, and distribution, etc. But, before doing so, knowledge of the environment is essential for the concerned management, so that sound and effective decisions may be taken.

ठोस और प्रभावी निर्णय:

ठोस और प्रभावी निर्णय वे होते हैं जो पर्यावरण की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं के अनुरूप होते हैं। व्यावसायिक गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के निर्णय लेने की आवश्यकता होती है, जैसे वस्तुओं और सेवाओं की खरीद और बिक्री, उत्पादन और विनिर्माण, कर्मियों, वित्त और वितरण आदि के संबंध में। लेकिन , ऐसा करने से पहले, संबंधित प्रबंधन के लिए पर्यावरण का ज्ञान आवश्यक है , ताकि ठोस और प्रभावी निर्णय लिए जा सकें।

5. Facing the Challenges:

There are various challenges to the business have been posted for the business in the dynamic environment of the present days. These are the dignity of human resources, safeguarding their health, controlling the anti-social activities of industrialists, the establishment of the effective balance between industrial production and the limits of nature, etc. Similarly, challenges like income, level of consumption, purchase preferences, demand and competition emanating from economic policies also exist. All the challenges may be easily faced by using the knowledge, decision, and evolution of the business environment.

चुनौतियों का सामना:

वर्तमान समय के गतिशील वातावरण में व्यवसाय के लिए विभिन्न चुनौतियाँ पोस्ट की गई हैं। ये मानव संसाधन की गरिमा, उनके स्वास्थ्य की रक्षा, उद्योगपतियों की असामाजिक गतिविधियों को नियंत्रित करना, औद्योगिक उत्पादन और प्रकृति की सीमाओं के बीच प्रभावी संतुलन की स्थापना आदि हैं। इसी तरह , आर्थिक नीतियों से उत्पन्न आय, खपत का स्तर, खरीद प्राथमिकताएं, मांग और प्रतिस्पर्धा जैसी

चुनौतियां भी मौजूद हैं। व्यावसायिक वातावरण के ज्ञान, निर्णय और विकास का उपयोग करके सभी चुनौतियों का आसानी से सामना किया जा सकता है।

6. Enhancing Opportunities for Profits:

The profits opportunities of the business are enhanced by assessing the environment. Within the business environment, production of goods is carried out, according to the tastes of consumers and fashion, government policies are complied with, efforts are made to minimize the costs and optimum advantage of several opportunities within economic and social changes are availed. As a result, the profit opportunities of the institution enhance.

लाभ के अवसरों में वृद्धि:

पर्यावरण का आकलन करके व्यवसाय के लाभ के अवसरों को बढ़ाया जाता है। कारोबारी माहौल के भीतर , माल का उत्पादन किया जाता है, उपभोक्ताओं के स्वाद और फैशन के अनुसार, सरकारी नीतियों का पालन किया जाता है, लागत को कम करने के प्रयास किए जाते हैं और आर्थिक और सामाजिक परिवर्तनों के भीतर कई अवसरों का अधिकतम लाभ उठाया जाता है। नतीजतन, संस्था के लाभ के अवसर बढ़ते हैं।

7. Effective Management System:

Effective planning and control is the essence of the effective management system. But these functions may be performed by making a suitable evolution of environmental limitations, forces, pressures, effects, and events of work. Besides, own effectiveness may also be enhanced by making available reliable information and their use, by an information system between management, organization, and environment. Hence, the new activities of Management social innovations, social marketing, and entrepreneurship to maintain effective contact with the environment is quite essential.

प्रभावी प्रबंधन प्रणाली:

प्रभावी योजना और नियंत्रण प्रभावी प्रबंधन प्रणाली का सार है । लेकिन इन कार्यों को पर्यावरणीय सीमाओं, बलों, दबावों, प्रभावों और कार्य की घटनाओं का उपयुक्त विकास करके किया जा सकता है। इसके अलावा , प्रबंधन, संगठन और पर्यावरण के बीच एक सूचना प्रणाली द्वारा विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराकर और उनका उपयोग करके स्वयं की प्रभावशीलता को भी बढ़ाया जा सकता है। इसलिए , पर्यावरण के साथ प्रभावी संपर्क बनाए रखने के लिए प्रबंधन सामाजिक नवाचार, सामाजिक विपणन और उद्यमिता की नई गतिविधियां काफी आवश्यक हैं।

8. Dynamic Behaviour:

Consciousness in dynamic behavior is caused by the business environment, the reason being that the Businessman studies internal and external factors, social and political events. Besides, he also remains conscious to see, whether present circumstances are favorable for the business or not.

गतिशील व्यवहार:

गतिशील व्यवहार में चेतना व्यावसायिक वातावरण के कारण होती है, इसका कारण यह है कि व्यवसायी आंतरिक और बाहरी कारकों, सामाजिक और राजनीतिक घटनाओं का अध्ययन करता है।

इसके अलावा , वह यह देखने के लिए भी सचेत रहता है कि वर्तमान परिस्थितियाँ व्यवसाय के अनुकूल हैं या नहीं।

9. Long-Term Planning:

A business institution may plan for the long-term by study and analysis of business environment, because:

- May prepare Long-Term Policies, development plans, and strategies by narrating components of the environment.
- Exiting Environment of the business is studied and future environment assessed.
- Complete assessment of positive effects and ill effects of future conditions of the environment is done and own plans are formulated, accordingly.

This way, a business organization may plan for the long-term, properly studying the environment.

दीर्घकालिक योजना:

एक व्यावसायिक संस्था व्यावसायिक वातावरण के अध्ययन और विश्लेषण द्वारा दीर्घावधि के लिए योजना बना सकती है, क्योंकि:

- पर्यावरण के घटकों का वर्णन करके दीर्घकालिक नीतियां, विकास योजनाएं और रणनीतियां तैयार कर सकते हैं।
- व्यवसाय के बाहर निकलने के वातावरण का अध्ययन किया जाता है और भविष्य के पर्यावरण का आकलन किया जाता है।
- पर्यावरण की भावी स्थितियों के सकारात्मक प्रभावों और दुष्प्रभावों का पूर्ण मूल्यांकन किया जाता है और तदनुसार स्वयं की योजनाएँ तैयार की जाती हैं

इस तरह, एक व्यावसायिक संगठन पर्यावरण का ठीक से अध्ययन करते हुए लंबी अवधि के लिए योजना बना सकता है।

10. Altertness Towards Threats, Crisis, and Problems:

The business environment works openly and independently. As a result, new threats, crisis, problems, and challenges always crop in for the new business. Apprehension for challenges persists due to economic policies and other facts, like income, utilization level, purchase priority, demand and competition, environmental balance, the balance between economics and ethics, worldwide pressures and control on anti-social activities. Evolution and implementation of the business environment are necessary to all such challenges.

खतरों, संकट और समस्याओं की ओर परिवर्तन:

कारोबारी माहौल खुले तौर पर और स्वतंत्र रूप से काम करता है। नतीजतन , नए व्यवसाय के लिए नए खतरे, संकट, समस्याएं और चुनौतियां हमेशा सामने आती हैं । आर्थिक नीतियों और अन्य तथ्यों, जैसे आय, उपयोग स्तर, खरीद प्राथमिकता, मांग और प्रतिस्पर्धा, पर्यावरण संतुलन, अर्थशास्त्र और नैतिकता के बीच संतुलन, विश्वव्यापी दबाव और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के कारण चुनौतियों की आशंका बनी रहती है। ऐसी सभी चुनौतियों के लिए कारोबारी माहौल का विकास और कार्यान्वयन आवश्यक है।

11. Knowledge of Uncertainties, Risk, Changes in Profits and Fluctuations:

Following knowledge is gained from the business environment:

- Business is a game of risks. Business cannot be imagined without risks. In the business environment, knowledge is gathered about uncertainties and risks and hence, one maybe cautions towards them and it may be measured also.
- Business is carried out in the dynamic environment. Knowledge about changes in production techniques, size of the product, its appearance, habits, and tastes of the consumers, qualities of the product and consumption, etc. are easily known by the business environment. "It is essential for the business to live with the environment, so as to flourish with changes."
- An institution may be successful in controlling the fluctuations timely. The boom and depression and their causes can be analyzed through the study of the business environment.
- The opportunities of profit in the business may be metalized, by remaining alert towards the environment. The various policies like monetary policy, Export-Import policy, commercial policy, economic changes, social events.

अनिश्चितताओं, जोखिम, मुनाफे में बदलाव और उतार-चढ़ाव का ज्ञान:

व्यावसायिक वातावरण से निम्नलिखित ज्ञान प्राप्त होता है:

- व्यापार जोखिम का खेल है। जोखिम के बिना व्यवसाय की कल्पना नहीं की जा सकती। कारोबारी माहौल में , अनिश्चितताओं और जोखिमों के बारे में ज्ञान इकट्ठा किया जाता है और इसलिए, कोई उनके प्रति सावधान हो सकता है और इसे मापा भी जा सकता है।
- व्यवसाय गतिशील वातावरण में किया जाता है। उत्पादन तकनीकों में परिवर्तन, उत्पाद के आकार, उसकी उपस्थिति, आदतों और उपभोक्ताओं के स्वाद, उत्पाद के गुणों और खपत आदि के बारे में ज्ञान आसानी से व्यावसायिक वातावरण द्वारा जाना जाता है। "व्यवसाय के लिए पर्यावरण के साथ रहना आवश्यक है, ताकि परिवर्तनों के साथ फल-फूल सके।"
- एक संस्था समय पर उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने में सफल हो सकती है। कारोबारी माहौल के अध्ययन के माध्यम से उछाल और अवसाद और उनके कारणों का विश्लेषण किया जा सकता है ।
- पर्यावरण के प्रति सचेत रहने से व्यवसाय में लाभ के अवसर मिल सकते हैं। विभिन्न नीतियां जैसे मौद्रिक नीति, निर्यात-आयात नीति, वाणिज्यिक नीति , आर्थिक परिवर्तन, सामाजिक घटनाएं, संगठनात्मक संयोजन , और संयोग, आदि एक कारोबारी माहौल में अध्ययन हैं।

12. Knowledge of Interdependence of Factors:

There are various factors in the business environment. The economic, social, cultural, political, technical, statutory and moral factors mutually affect each other. However, the knowledge about the extent and form of effects of changes in one factor to the other factors may be gained only through business environment.

कारकों की अन्योन्याश्रयता का ज्ञान:

कारोबारी माहौल में विभिन्न कारक हैं । आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, तकनीकी, वैधानिक और नैतिक कारक परस्पर एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। हालाँकि, एक कारक से दूसरे

कारकों में परिवर्तन के प्रभाव की सीमा और रूप के बारे में ज्ञान केवल व्यावसायिक वातावरण के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।